आईसीएआर एनआईएनएफईटी, कोलकाता द्वारा एफपीओ/एफपीसी/एनजीओ के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

12 नवंबर, 2024, कोलकाता:

आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता ने अपने परिसर में FPO/FPC/NGO के प्रतिनिधियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित की।

कार्यक्रम में फ्रंट लाइन डेमोस्ट्रेशन (FLD), प्रशिक्षण कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों के आयोजन की प्रक्रियाओं को माल एवं सेवा कर (GST) अनुपालन सहित सरकारी नियमों के साथ संरेखित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आईसीएआर-एनआईएनएफईटी के निदेशक डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने GST पंजीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला और आउटरीच गतिविधियों के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

कार्यशाला के दौरान, FPO, FPC और NGO प्रतिनिधियों ने आईसीएआर-एनआईएनएफईटी द्वारा प्रशिक्षित अपने उद्यमियों की सफलताओं के साथ-साथ संस्थान के सहयोग से चल रही और नियोजित पहलों को साझा किया। कृषि शिल्प के प्रतिनिधियों ने जूट उत्पादों के विपणन के लिए अपना डिजिटल समाधान भी प्रस्तुत किया।

उपस्थित लोगों में पश्चिम बंगाल के 20 एफपीओ, एफपीसी और एनजीओ के 40 प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के आईसीएआर-एनआईएनएफईटी के अधिकारी शामिल थे।

(सूत्र: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

One Day Workshop with FPO/FPC/NGO was organized by ICAR NINFET, Kolkata

12th November, 2024, Kolkata:

ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology (ICAR-NINFET) organized a workshop with representatives from FPOs/FPCs/NGOs at its campus.

The event focused on aligning processes for organizing Front Line Demonstrations (FLDs), training programs, and other activities with government regulations, including Goods and Services Tax (GST) compliance.

Dr. D.B. Shakyawar, Director of ICAR-NINFET, highlighted the importance of GST registration and emphasized the institute's commitment to outreach activities.

During the workshop, FPO, FPC, and NGO representatives shared the successes of their entrepreneurs who were trained by ICAR-NINFET, along with their ongoing and planned initiatives in collaboration with the institute. Representatives from the Krishicraft also presented their digital solution for marketing the jute products.

Attendees included 40 representatives from 20 FPOs, FPCs, and NGOs across West Bengal, as well as ICAR-NINFET officials from various departments.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)